



Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution

College Mail id: krgc@rediffmail.com

Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com

Phone no. 0751-2625495



2nd Issue Nov. - Jan. 2025-26

e-Sakshi

E-News Letter





सन्देश

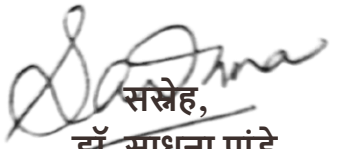
"e-साक्षी" द्वितीय अंक शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर की ई-पत्रिका ४-साक्षी" के इस नवीन अंक के माध्यम से आप सभी से जुड़ते हुए मुझे अत्यंत गर्व हो रहा है। यह पत्रिका हमारे महाविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा और सांस्कृतिक चेतना का एक जीवंत दर्पण है। हमारा संस्थान सदैव एक "उदीयमान सूर्य" की भांति रहा है, जिसका उद्देश्य छात्राओं के जीवन से अज्ञानता को दूर कर उन्हें ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करना है।

"e-साक्षी" का यह अंक अत्यंत विशेष है क्योंकि यह न केवल हमारी छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा को समेटे हुए है, बल्कि हमारे समर्पित प्राध्यापकों की उपलब्धियों का भी उत्सव मना रहा है। इस अंक में विभिन्न शिक्षण विभागों और प्रकोष्ठों (Cells) के उन विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को रेखांकित किया गया है, जिन्होंने शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

इसके साथ ही, यह पत्रिका हमारे उन शिक्षकों के प्रति भी सम्मान व्यक्त करती है जिन्होंने शोध, लेखन और शिक्षा के अन्य क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। शिक्षकों द्वारा शोध पत्रिकाओं में उत्कृष्ट लेखन और नवाचारों ने हमारे महाविद्यालय के शैक्षणिक स्तर को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है।

आज के इस प्रतिस्पर्धी युग में, हम कौशल संवर्धन (Skill Enhancement) को अपनी प्राथमिकता मान रहे हैं। 'विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, हमें व्यावहारिक कौशल और तकनीकी दक्षता की आवश्यकता है। महाविद्यालय का प्रत्येक विभाग विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु प्रतिबद्ध है, और इसकी स्पष्ट झलक इस पत्रिका के पन्नों में दिखाई देती है।

मैं समस्त छात्राओं और संकाय सदस्यों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देती हूँ। आइए, हम मिलकर यह सुनिश्चित करें कि ज्ञान और कौशल का यह सूर्य सदैव देदीप्यमान रहे और हमारा महाविद्यालय राष्ट्र निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देता रहे।


संज्ञेह,
डॉ. साधना पांडे

अकादमिक सचिव



सादर अभिवादन,

अत्यंत हर्ष का विषय है कि हम अपने ई-न्यूजलेटर का द्वितीय अंक आप सभी सम्मानित स्टेकहोल्डर्स के समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं। महाविद्यालय की छात्राओं की विविध गतिविधियों के माध्यम से पुनः आपसे जुड़ना हमारे लिए गौरवपूर्ण है। इस बार हमने इस अंक को एक नए और परिवर्तित स्वरूप में चार विशेष परिशिष्टों (Appendices) में संकलित किया है:

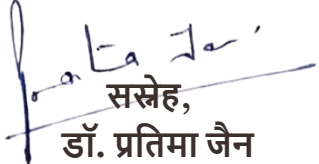
परिशिष्ट 1: 'आराधना' – विद्या की देवी माँ शारदा को समर्पित। प्रांगण में स्थापित माँ शारदा की नवीन प्रतिमा के स्वागत में आयोजित पूजा-अर्चना और भक्ति नृत्य की मनमोहक झलकियाँ यहाँ समाहित हैं।

परिशिष्ट 2: 'स्टार ऑफ द कॉलेज' – यह खंड उन मेधावी छात्राओं और समर्पित प्राध्यापकों को समर्पित है, जिन्होंने अपनी विशिष्ट उपलब्धियों से संस्थान का मान बढ़ाया है।

परिशिष्ट 3: 'पिलर्स ऑफ द कॉलेज' – यहाँ महाविद्यालय की उन आधुनिक सुविधाओं का विवरण है, जो हमारे स्टेकहोल्डर्स की प्रगति में आधारस्तंभ की भूमिका निभा रही हैं।

परिशिष्ट 4: 'एकेडमिक्स' – विभिन्न शैक्षणिक विभागों की गतिविधियों और उनके बौद्धिक प्रयासों का एक विस्तृत शोकेस।

पूर्ण विश्वास है कि पूर्व की भांति यह अंक भी आपको अत्यंत पसंद आएगा। आपके सुझाव हमारे लिए बहुमूल्य हैं; कृपया अपना फीडबैक ई-न्यूजलेटर के हेडर में दिए गए IQAC ईमेल पर अवश्य साझा करें।


सस्नेह,
डॉ. प्रतिमा जैन
समन्वयक, IQAC



Index

S. No.	Text	Page No.
1.	Message by Academic Secretary	02
2.	Key Points of the 2 nd Issue " e-Sakshi" News Letter	03
3.	Aradhana	05-06
4.	Stars of this Quarter	07-12
5.	Pillars of the College	13-32
6.	Academics & Publication	33
(i)	Conference	34-36
(ii)	MOU	37-38
(iii)	Publication	39-49
(iv)	Celebrations & Departmental Activities	50-69



आराधना





स्थापना
दिनांक 23 जनवरी
2026

तिथि बसंत पंचमी





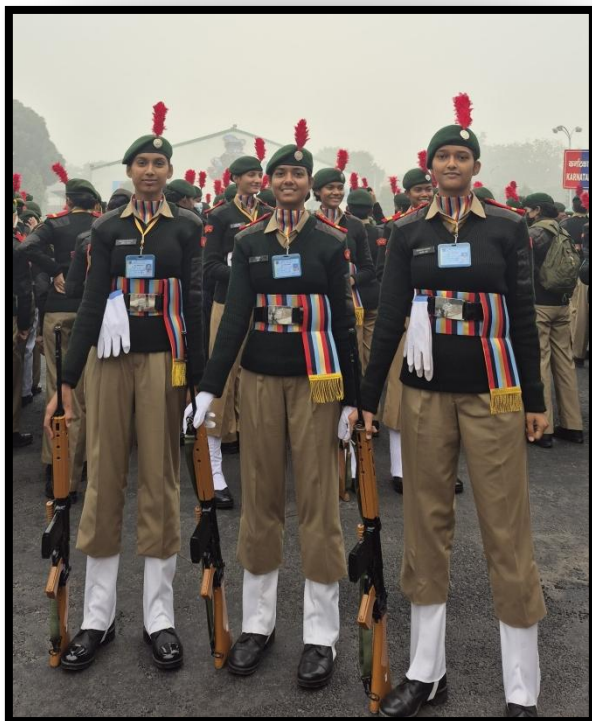
Stars of this Quarter

**Made us Proud
To be a part of RDC Pared 2026**



CADET AKANKSHA SHARMA RECEIVED

- Young achiever award awarded by (chief of army staff)
- Selected in all India Guard of Honour (GOH) contingent in republic day camp 2026





**Made us Proud
To be a part of RDC Pared 2026**



CPL KAVITA SONI

**PARTICIPATED IN THE
CULTURAL EVENT AT RDC.**





**Made us Proud
To be a part of the Adventure camp**



CADET NARGIS KHAN

PARTICIPATED IN THE ADVENTURE CAMP ORGANISED BY ATAL BIHARI VAJPAYEE INSTITUTE OF MOUNTAINEERING AND ALLIED SPORTS AT MANALI (H.P). SHE TREKKED 75 KM TO THIS CAMP AND GAINED 10,000 FEET IN HEIGHT.

CADET NISHA BAGHEL

CAMP_ LEADERSHIP AND TEAM BUILDING
SER NO O2 UTTARKASHI
INSTITUTE - NEHRU INSTITUTE
MOUNTAINEERING
PLACE - UTTARKASHI (UTTRAKHAND)
CAMP DATE 28SEP. 7OCT.2025
ACHIEVEMENT - 15KM RUNNING AND
3RD PLACE, PARTICIPATED IN
NATIONAL CAMP





डॉ. स्वप्ना मराठे, प्राध्यापक (संगीत विभाग) द्वारा दिनांक 13.12.2025 को 101वें तानसेन समारोह पूर्वरंग सभा में शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी गई। यह कार्यक्रम महाराज बाडे पर स्थित टाऊन हॉल में आयोजित किया गया।

20
Dr. Abha Mishra
12/11/25

कार्यालय निदेशक, स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना, उच्च शिक्षा विभाग,
सतपुड़ा भवन, भूलल विंग (ख), भोपाल 462004 (मध्यप्रदेश)
E-mail: hesvcgs@mp.gov.in

क्रमांक / 4781331 विवेकानंद / 2025
प्रति,
प्रचारार्थ,
सम्बन्धित ग्रामकीय महाविद्यालय,
म. प्र।

भोपाल, दिनांक 11/11/2025

1495
12-11-25

विषय- सत्र 2025-26 में एम ओ यू संस्था एसजीवीएस उन्नति फाउंडेशन बैंगलुरु से नि:शुल्क प्रशिक्षण आयोजित करने हेतु।

--00--

विषयान्तर्गत एसजीवीएस उन्नति फाउंडेशन बैंगलुरु का 12 सितम्बर 2023 से उच्च शिक्षा म. प्र. से एम.ओ.यू है, जिसके अंतर्गत उन्नति फाउंडेशन बैंगलुरु के वेबकेबल (प्रशिक्षकों) द्वारा महाविद्यालयों में अध्ययनरत अंतिम वर्ष एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को प्रतिदिन 3 घंटे (कुल 90 घंटे) का मासिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इस सम्बन्ध में लेख है कि निम्न महाविद्यालयों के स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अधिकाधिक प्रशिक्षण आयोजित कर अपने महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को लाभान्वित कराया है- 1. शा.म. इंदिरा गांधी कन्या महाविद्यालय, गहड़ौल, 2. शा.म.जी.आर.जी.महा. ग्वालियर, 3. शा.म.के. आर. जी. महाविद्यालय ग्वालियर 4. शा.म.भगत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिपरिया (नर्मदापुरम)। इन महाविद्यालयों के प्रदास प्रशंसनीय है।

कतिपय महाविद्यालय उल्लेख प्रशिक्षकों की सेवा का पूरी तरह उपयोग न करते हुए प्रशिक्षण नहीं करा रहे हैं इससे अप्रमत्त विद्यार्थी प्रशिक्षणों का लाभ लेने में बंचित रह जाते हैं ऐसे महाविद्यालय उपर्युक्त महाविद्यालयों से प्रेरित होकर अधिकाधिक प्रशिक्षण आयोजित कराकर विद्यार्थियों को लाभान्वित कर सकते हैं।

अतः सत्र 2025-26 में महाविद्यालयों को अपने क्षेत्रान्तर्गत नि:शुल्क प्रशिक्षणों से प्रशिक्षण आयोजित कर अधिकाधिक विद्यार्थियों को लाभान्वित करना है।

महाविद्यालय प्रशिक्षण का मासिक प्रगति प्रतिवेदन स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना को नियमित रूप से प्रेषित करेंगे।

सलतन- 1. प्रशिक्षकों की सूची।

आयुक्त
उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश



डॉ. आभा मिश्रा
कोऑर्डिनेटर, स्वामी विवेकानंद
गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल

कार्यालय वन मण्डलाधिकारी सामान्य वनमण्डल ग्वालियर (म.प्र.)
सेठुलु सरती फेडरल सचिवालय विहारे विहारे के पास गिरी सेक्टर ग्वालियर (म.प्र.)
Phone: 0751-2341160, Fax: 0751-2341160, E-Mail: ofw@mp.gov.in

क्रमांक/संरक्षण/25-7175 ग्वालियर, दिनांक 25/12/2025

प्रति,
1-वन परिक्षेत्राधिकारी
ग्वालियर/बेट/घाटीगांव उत्तर-दक्षिण
2-गैररेंज ऑफिसर
तिरुचर-घाटीगांव

विषय :- Asian WaterBird Census 2026 की गणना आयोजन हेतु पक्षी विशेषज्ञों की ड्यूटी लगाने बाबत।

विषयान्तर्गत लेख है कि वन मंडल ग्वालियर के अन्तर्गत Asian WaterBird Census 2026 की गणना कार्य दिनांक 3-4 जनवरी 2026, 10-11 जनवरी 2026 एवं 17-18 जनवरी 2026 में किया जाना प्रस्तावित है। उक्त गणना कार्य हेतु निम्नानुसार पक्षी विशेषज्ञों की ड्यूटी लगाई जाती है-

क्र.	नाम	परिक्षेत्र का नाम	व्यक्तिगत स्थल का नाम
1	1-Shri. Sanjaydatt Sharma, 9425111953 2-Apporva S Jadon, 7000015157	गैर रेंज तिरुचर	तिरुचर जलाशय
2	Mohit K Arya, 9826281292	गैर रेंज तिरुचर	झांसा जलाशय
3	1-Smt. Devyani Halwai, 9770719323 2-Vivek Verma, 7697271464	घाटीगांव दक्षिण	ककरोडे डेम
4	Rajesh Kumar Gujjar, 9926524372	घाटीगांव दक्षिण	पैतसारी डेम
5	Shri Ankur Khante, 9971856363	बेट	सदुपुरा ताल
6	Shri. Ritesh Gang, 7879983656	बेट	डिलमिल नदी
7	1-Dr. Sudha lynger, 9425109111 2-Nishant P Gour, 8516976306	ग्वालियर	अलापुर डेम
8	R. K. Sharma, 8223924828	ग्वालियर	रुईआ डेम
9	Ranikumar Lodhi, 9926227461	ग्वालियर	बंद ताल की एम.ए.ए. टैकनपुर

उक्त गणना कार्य हेतु आप पक्षी विशेषज्ञों से संपर्क कर समयावधि में कार्य संयोजन करना सुनिश्चित करें।

वनमण्डलाधिकारी
सामान्य वनमण्डल ग्वालियर

क्रमांक/संरक्षण/25/7176 ग्वालियर, दिनांक 25/12/2025

प्रतिनिधि-
1. मुख्य वन संरक्षक, ग्वालियर वन ग्वालियर की ओर सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु सौंपित।
2. श्री मनोज कुमार जाटन अधीक्षक, सौत विधिया अग्यारथ घाटीगांव की ओर सूचनाएं एवं पालनार्थ।

वनमण्डलाधिकारी
सामान्य वनमण्डल ग्वालियर

S/A/E/Dira-2023\WANYA PRAD\Letter-2023.docx Page 142



डॉ. मोहित आर्य
प्राध्यापक प्राणिशास्त्र विभाग



Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution

College Mail id: krgc@rediffmail.com

Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com

Phone no. 0751-2625495



Pillars of the College





Autonomous Cell



**Dr. Brijesh Kumar
Gupta**
Controller of
Examination

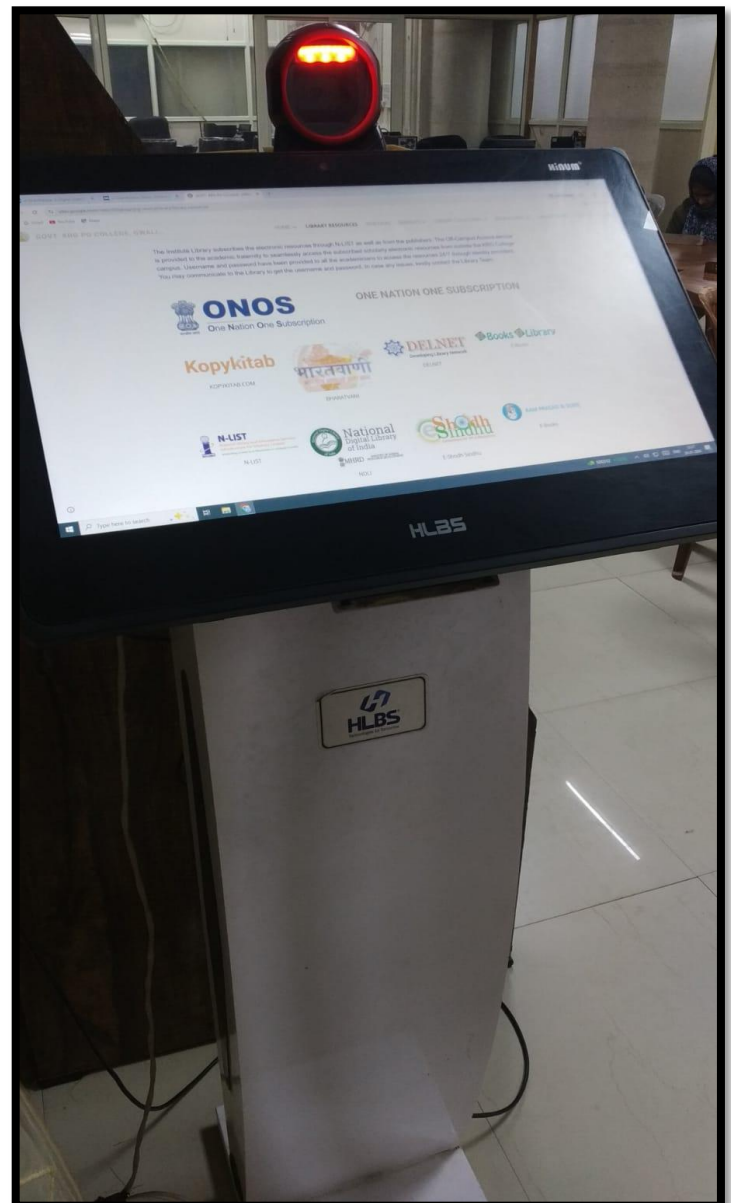
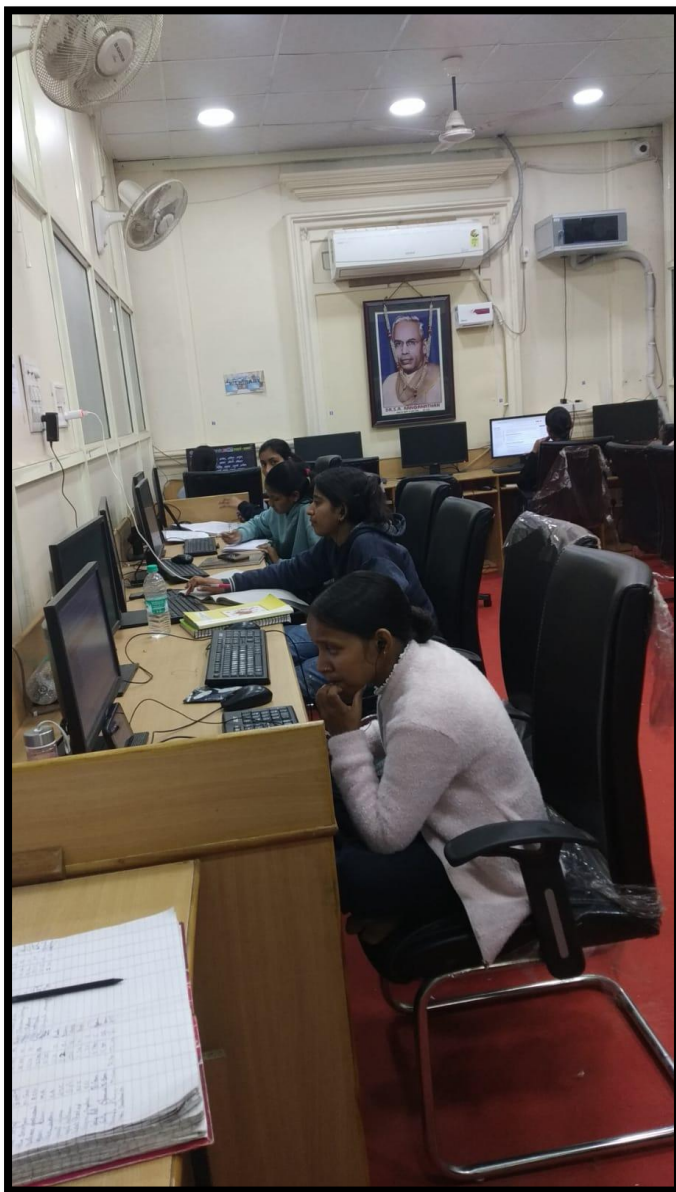
Central Engine

Implementing Academic
Freedom, Maintaining
Independent
Examination System
and Ensuring Quality
Assurance





Our Library Backbone of the College





CENTRAL LIBRARY AT PRESENT		
CENTRAL LIBRARY COLLECTION (PRINT BOOKS)		
S.NO	TYPE OF COLLECTION	NO. OF BOOKS
1.	Total Copies	1,25,600
2.	Total Title	71,151
3.	Reference Books	29,386
4.	Text Books	97,156
5.	Dept Library issue Book	20,527
6.	Rare Books	324
7.	Braille Books	184
8.	Donated Books	1,111
9.	Thesis	372
10.	Dissertation	119
11.	E-Books (Through E-Granthalaya)	292
12.	E-Books Downloaded	11,000
CENTRAL LIBRARY COLLECTION (PERIODICALS)		
S.NO	TYPE OF RESOURCES	NO. OF RESOURCES
1.	News papers	16
2.	News papers (Online)	33
3.	Journals	38
4.	Journals (Online)	Thousands of online journals available
5.	Magazines	47
6.	Magazines (Online)	64



Our College Secured
Third rank in Madhya
Pradesh by E-
Granthalaya during
Automation Process

Placement Cell



04.11.2025 भारत सरकार की MSME योजना के अंतर्गत 'ग्राफिक्स डिजाइनिंग' का 30 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। मैक एनीमेशन एंड ग्राफिक्स इंस्टीट्यूट के सहयोग से प्रशिक्षक श्री श्याम अग्रवाल द्वारा यह प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण में 82 छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। MSME योजना के असिस्टेंट डायरेक्टर श्री राजीव कुमार द्वारा छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।



दिनांक 18.11.2025
'रेज्यूम कैसे बनाएं' विषय पर वर्कशॉप का आयोजन टॉप रैंकर्स इंस्टीट्यूट के सौजन्य से किया गया। विषय विशेषज्ञ थे - श्री मंदीप सिंह सचदेव।





दिनांक 20.11.2025 'वेदास
मंत्रा' कंपनी द्वारा प्लेसमेंट
ड्राइव आयोजित। बिजनेस
डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव पद
हेतु 11 छात्राएं चयनित।





दिनांक 21.11.2025 करियर सेल द्वारा 'उद्यमिता जागरूकता' कार्यक्रम का आयोजन। प्रमुख वक्ता श्री राजीव कुमार असिस्टेंट डायरेक्टर MSME भारत सरकार तथा श्री हेमंत राजौरिया डायरेक्टर मैक इंस्टीट्यूट।



दिनांक 03.12.2025 प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन TATA AIA लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के सहयोग से किया गया। जिसमें कंपनी द्वारा इंटरव्यू के आधार पर 48 छात्राओं का चयन किया गया।

दिनांक 05.12.2025 से इंफोसिस फाउंडेशन बेंगलूर द्वारा प्रायोजित 'इंग्लिश कम्युनिकेशन स्किल्स' का तृतीय बैच का 30 दिवसीय प्रशिक्षण उन्नति फाउंडेशन के सहयोग से इंफोसिस फाउंडेशन की ट्रेनर सुश्री निहारिका दुबे द्वारा प्रदान किया गया। जिसमें विभिन्न गतिविधियों के द्वारा कम्युनिकेशन स्किल्स को बेहतर ढंग से छात्राओं ने सीखा।





स्वदेश

Image 

स्वदेश ग्वालियर - मुख्य संस्करण
18 Jan 2026 | Page - 5

केआरजी में आधुनिक तकनीक पर आधारित 30 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

स्वदेश संवाददाता ■ ग्वालियर

प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक डिजाइन तैयार किए, जिन्हें पोस्टर और प्रोजेक्ट फाइल के रूप में संकलित किया गया। छात्राओं ने ऑडियो एवं वीडियो दोनों माध्यमों में एनीमेशन और ग्राफिक्स बनाना सीखा, जिससे वे इस क्षेत्र में स्वरोजगार और करियर की शुरुआत कर सकेंगी। समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव के संरक्षण में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में मैक एनीमेशन सेंटर के प्रशिक्षक आशीष भागोरिया ने छात्राओं को एनीमेशन और ग्राफिक्स डिजाइनिंग की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक डिजाइन तैयार किए, जिन्हें पोस्टर और प्रोजेक्ट फाइल के रूप में संकलित किया गया। छात्राओं ने ऑडियो एवं वीडियो दोनों माध्यमों में एनीमेशन और ग्राफिक्स बनाना सीखा, जिससे वे इस क्षेत्र में स्वरोजगार और करियर की शुरुआत कर सकेंगी। समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव एवं जिला नोडल अधिकारी कैरियर प्रकोष्ठ डॉ. चारु चित्रा द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में डॉ. सूरजभान प्रजापति, डॉ. गौतम सिंह, डॉ. प्रवीण कपूर एवं विनोद बौद्ध उपस्थित रहे।

दिनांक 16.12.2025 से उच्च शिक्षा म. प्र. शासन द्वारा प्रायोजित 30 दिवसीय अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के अंतर्गत ' एनीमेशन एवं ग्राफिक्स डिजाइनिंग ' प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया । इसमें 42 छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षक थे - आशीष भगोरिया।



दिनांक 26.12.2025 प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित। कंपनी करियर मंत्रा द्वारा 10 छात्राओं का चयन किया गया।

12 तथा 13.01.2026 को SEBI तथा NISM (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ सिक्योरिटी मार्केट) न्यू दिल्ली के सौजन्य से ' फाइनेंशियल एजुकेशन ' विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। SEBI की ओर से विषय विशेषज्ञ श्री नवाबुद्दीन द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सभी 85 प्रतिभागियों को SEBI की ओर से सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।





दिनांक 29.01.2026 को 'उद्यमिता एवं स्टार्टअप शुरू कैसे करें' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता थे - डॉ. अरविंद शर्मा संभागीय नोडल अधिकारी svcgcl





Sport Activities

प्रदेश स्तरीय बास्केटबाल प्रतियोगिता

दिनांक

6 एवं 7 नवंबर 2025





संभाग स्तर खो खो प्रतियोगिता 27, 28 नवंबर 2025



Krg टीम विनर





Open GYM for everytime





Hostel Facility





Legal Aid Clinic



Legal Aid Clinic of "Institute of Law" provides free Legal Services, Advice and Awareness to the students of the College as well to the needy



Music Studio





Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution College Mail id: krgc@rediffmail.com

Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com

Phone no. 0751-2625495



Incubation Centre





Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution College Mail id: krgc@rediffmail.com

Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com

Phone no. 0751-2625495





National Conference

INDIA'S VISION FOR 2047 "VIKSIT BHARAT" WITH RESPECT TO ENVIRONMENTAL CHANGES AND SUSTAINABILITY

केआरजी कॉलेज में राष्ट्रीय कॉन्फेंस शुरू, पहले दिन 6 रिसर्च पेपरों का हुआ प्रजेंटेशन

ग्वालियर किरण

शासकीय केआरजी कॉलेज में पर्यावरणीय चुनौतियों और स्थिरता के संबंध में 2047 के लिए भारत का दृष्टिकोण-विकसित भारत विषय पर दो दिनों राष्ट्रीय कॉन्फेंस का शुभारंभ शनिवार को हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राकेश सिंघाई थे। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने की। विशेष अतिथि डीआरडीई के सॉफ्टवेयर-जी डॉ. विकास ठाकरे, आर्केटेक फार्माकेम प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर के फाउंडर संजय शर्मा थे। कोनोट स्पीकर के रूप में करियर यूनिवर्सिटी कोटा के डॉ. आरके खेतान रहे।

कॉन्फेंस की शुरुआत मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। अतिथियों का वाचिक स्वागत प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने दिया। कॉन्फेंस की थीम के बारे में संयोजक डॉ. विनीता अग्रवाल ने जानकारी दी। मुख्य अतिथि द्वारा पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। वीज चक्रव्यंज डॉ. अरुण शर्मा ने स्मार्ट नैनो सामग्री का उपयोग करके जल उपचार के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, हाल के रुझान और लाभ विषय पर अपने विचार रखे।



केआरजी कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय समीक्षा का समापन

प्राचीन ज्ञान का समायोजन कर विकसित भारत की संकल्पना को साकार कर सकते हैं

राजकीय केआरजी कॉलेज में पर्यावरणीय चुनौतियों और स्थिरता के संबंध में 2047 के लिए भारत का दृष्टिकोण-विकसित भारत विषय पर दो दिनों राष्ट्रीय कॉन्फेंस का शुभारंभ शनिवार को हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राकेश सिंघाई थे। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने की। विशेष अतिथि डीआरडीई के सॉफ्टवेयर-जी डॉ. विकास ठाकरे, आर्केटेक फार्माकेम प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर के फाउंडर संजय शर्मा थे। कोनोट स्पीकर के रूप में करियर यूनिवर्सिटी कोटा के डॉ. आरके खेतान रहे।

कॉन्फेंस की शुरुआत मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। अतिथियों का वाचिक स्वागत प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने दिया। कॉन्फेंस की थीम के बारे में संयोजक डॉ. विनीता अग्रवाल ने जानकारी दी। मुख्य अतिथि द्वारा पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। वीज चक्रव्यंज डॉ. अरुण शर्मा ने स्मार्ट नैनो सामग्री का उपयोग करके जल उपचार के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, हाल के रुझान और लाभ विषय पर अपने विचार रखे।



National Conference

“EMERGING TRENDS IN ENVIRONMENTAL TOXICITY AND ITS IMPACT ON PUBLIC HEALTH”



शासकीय के.आर.जी.पी.जी. (ऑटोनोमस) महाविद्यालय ग्वालियर में प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा " पर्यावरण विषाक्तता एवं उसका जन स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 16-17 जनवरी 2026 को संपन्न हुई ।





Advertisement for 'Madhyarajya' magazine featuring an article on environmental pollution and the role of culture and heritage. The article title is 'संस्कार व संस्कृति के साथ समूचे वातावरण में पनप रही है पर्यावरण विषाक्तता : डॉ. सहस्रबुद्धे'.

Advertisement for 'Nidhantya' magazine featuring a report on a national conference. The headline is 'पर्यावरण विषाक्तता प्रकृति में नहीं, संस्कार और संस्कृति के साथ समूचे वातावरण में पनप रही'.





Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution

College Mail id: krgc@rediffmail.com

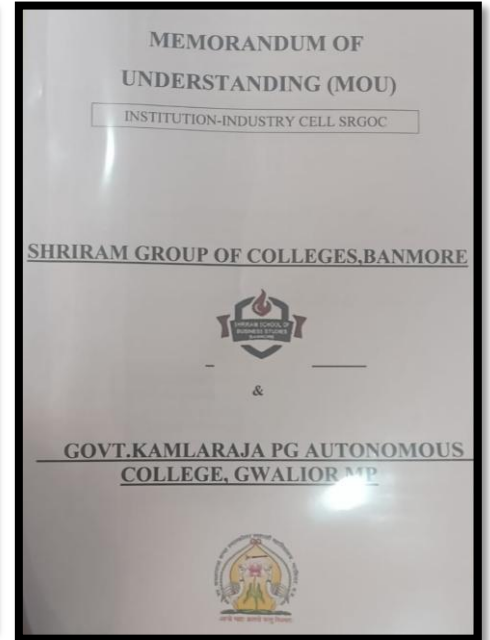
Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com

Phone no. 0751-2625495



MOU



31.01.2026



MOU



शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ग्वालियर एवं एमिटी विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश के मध्य रिसर्च, एकेडमिक्स आदि विभिन्न क्षेत्रों के लिए दिनांक 02 जनवरी 2026 को एम ओ यू साइन किया गया



Publications

Journal of Materials and Environmental Science
ISSN : 2028-2508
e-ISSN : 2737-890X
CODEN : JMESC
Copyright © 2025,

J. Mater. Environ. Sci., 2025, Volume 16, Issue 10, Page 1833-1859

<http://www.jmaterenvironsci.com>



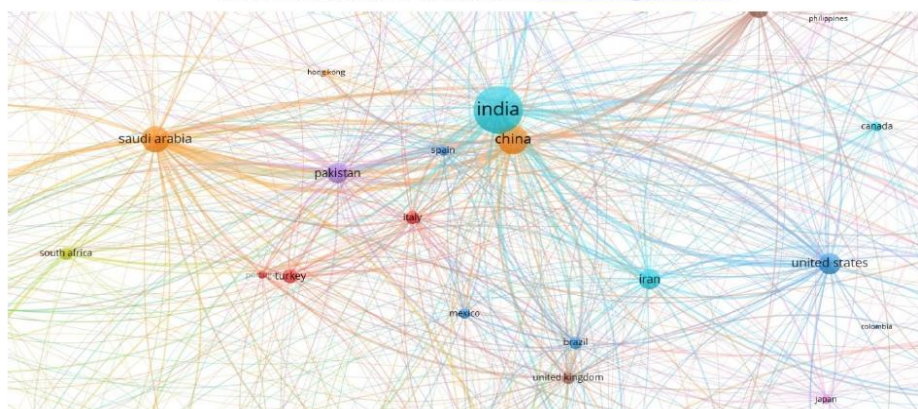
Green Synthesis of Nanoparticles for Biomedical Applications

Deepak Kumar Saini^{1*}, Mayank Singh¹, Jitendra Kumar Pandey¹, Shivali Rathore¹,
R.P. Singh¹, Mukesh Kumar²

¹Department of Botany, Govt. KRG PG Autonomous College, Gwalior 474001, India

²Department of Botany & Microbiology, Gurukula Kangri University, Haridwar 249404, India

*Corresponding author, Email address: dkSaini100@gmail.com



Received 08 Sept 2025,
Revised 22 Sept 2025,
Accepted 24 Sept 2025

Keywords:

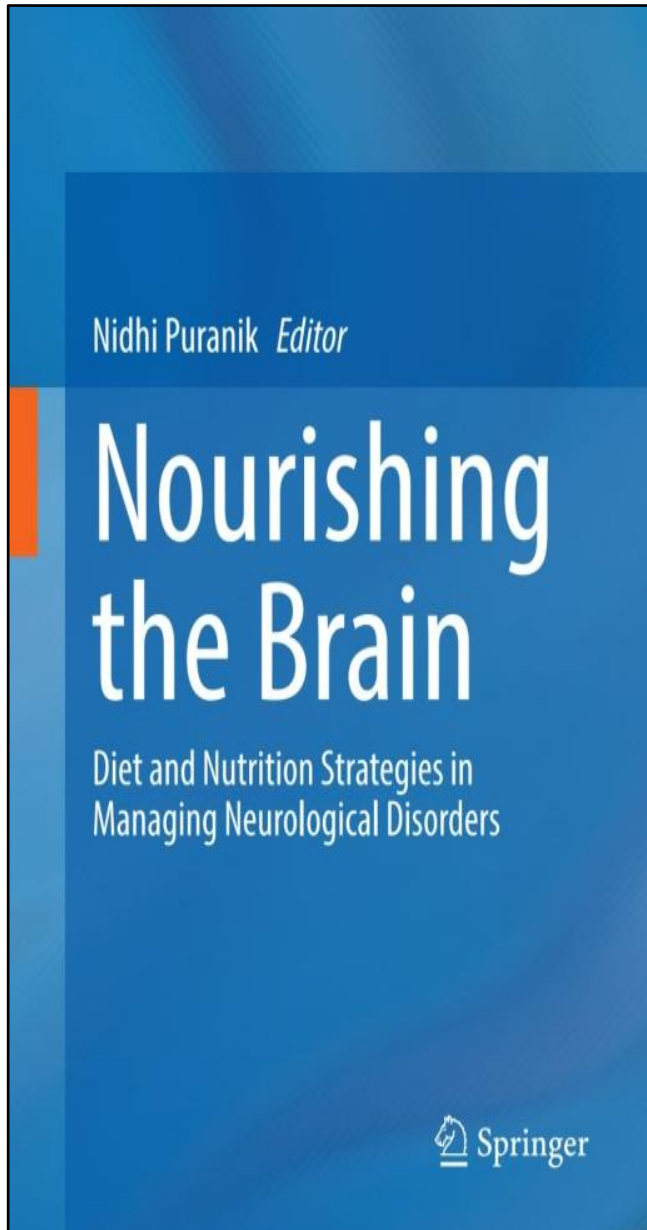
- ✓ Green synthesis;
- ✓ Nanoparticles;
- ✓ Biomedical applications;
- ✓ Antimicrobial activity;
- ✓ Cancer therapy;
- ✓ Drug delivery

Citation: Saini D. K., Singh M., Pandey J. K., Rathore S., Singh R. P., Kumar M. (2025) Green Synthesis of Nanoparticles for Biomedical Applications, *J. Mater. Environ. Sci.*, 16(10), 1833-1859

Abstract: The development of eco-friendly and sustainable methods for nanoparticle synthesis has attained significant attention in recent years, particularly for biomedical applications. Green synthesis offers a promising alternative to conventional chemical and physical methods by utilizing biological systems such as plant extracts, bacteria, fungi, and algae as reducing and stabilizing agents. These biologically derived nanoparticles not only minimize environmental impact but also exhibit enhanced biocompatibility, making them ideal candidates for medical use. This review explores recent advancements in the green synthesis of metallic and metal oxide nanoparticles, focusing on their structural properties, synthesis mechanisms, and the role of various biological sources. Special emphasis is placed on their biomedical applications, including drug delivery, antimicrobial activity, and cancer therapy. The paper also discusses current challenges and future prospects in scaling up production and ensuring reproducibility while maintaining the green principles. Ultimately, green-synthesized nanoparticles represent a convergence of nanotechnology and sustainable science, holding great promise for safe and effective biomedical innovations.

1. Introduction

Nanotechnology is a rapidly growing field. It deals with materials at the nanoscale, usually between 1 and 100 nanometers. At this scale, matter shows unique physical, chemical, and biological properties. These properties make nanoparticles useful in medicine, electronics, energy, and



Obsessive–Compulsive Disorder and the Role of Nutrition	11
Vikas Pitre, Sushmita Shrivastava, Megha Shrivastava, and Gayatri Rai	
<hr/>	
11.1 Introduction	
<p>OCD stands for obsessive–compulsive disorder. OCD is a disorder characterized by unwanted, recurring thoughts. Individuals may feel pressured to do repetitive actions or mental processes that adhere to strict guidelines to counteract or repress bothersome thoughts. The World Health Organization (WHO) has identified OCD as one of the top 10 mental health conditions that adversely impact quality of life [1]. It is typified by recurring, unwelcome thoughts and compulsions that are severe enough to interfere with everyday social interactions and may lead to issues in the relationships of those who are impacted. Obsessions, compulsions, and occasionally both can be symptoms of OCD [2]. Compulsions are repetitive activities and rituals carried out to feel better, whereas obsessions are persistent, repetitive, intrusive, and unpleasant thoughts. Compulsions, on the other hand, are ineffectual since they only provide momentary relief before concerned thoughts return, locking individuals affected in a vicious cycle. The onset or worsening of OCD is thought to be influenced by specific dietary components. OCD symptoms include obsessions, intrusive, repetitive thoughts and compulsions, as well as persistent, uncontrollable behavior. According to the Association for Comprehensive Neurotherapy, eating a diet rich in whole grains and protein may help minimize anxious reactions and OCD symptoms. The brain produces serotonin, a crucial chemical that regulates mood. Dietary intake of the important amino acid tryptophan affects serotonin synthesis. Tryptophan is transformed by our body into 5-hydroxytryptophan, which is then transformed into serotonin, according to the University of Maryland Medical</p>	
<p>V. Pitre (✉) · M. Shrivastava · G. Rai PMCoE, Government P.G. College, Guna, Madhya Pradesh, India</p> <p>S. Shrivastava Government Kamla Raja Girls Post Graduate (Autonomous) College, Gwalior, Madhya Pradesh, India</p>	
<p>© The Author(s), under exclusive license to Springer Nature Singapore Pte Ltd. 2026 N. Puranik (ed.), <i>Nourishing the Brain</i>, https://doi.org/10.1007/978-981-95-4169-0_11</p>	



भगवान बिरसा मुंडा

व्यक्तित्व एवं कृतित्व
वेबिनार विशेषांक

संरक्षक
डॉ. बी.पी.एस. जादौन

मुख्य संरक्षक
डॉ. कुमार रत्नम्

सम्पादक
डॉ. करन सिंह

20

भारतीय संविधान एवं जनजातीय समाज

डॉ. मुक्ता अग्रवाल
सहायक प्राध्यापक हिन्दी,
राजकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खालिपर मण्ड

भारत विभिन्नताओं का देश है, जहाँ अनेक धर्म, भाषाओं, संस्कृतियों और समुदाय के लोग एक साथ निवास करते हैं। इस विविधता में जनजातीय समाज अपनी विशिष्ट जीवनशैली, परंपराओं और लोकज्ञान के कारण एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। सदियों से दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों और घने जंगलों में निवास कर करने वाला यह समुदाय ऐतिहासिक रूप से उपेक्षित एवं वंचित रहा है। स्वतंत्रता के बाद जब भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया, तब संविधान निर्माताओं ने यह सुनिश्चित किया कि समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अधिकार, अवसर तथा सम्मान प्राप्त हो। इसीलिए स्वतंत्रता प्राप्ति के परवाह संविधान निर्माताओं ने जनजातियों के विकास के लिए और उनको शोषण से मुक्ति प्रदान करने के लिए संविधान में अनेक संरक्षणात्मक और विकासात्मक उपबंध लागू किए गए।

संरक्षण संबंधी उपबंधों में ऐसे प्रावधान आते हैं जो जनजाति समाज को सामाजिक-आर्थिक शोषण तथा अन्याय से संरक्षण प्रदान करते हैं एवं विकास संबंधी प्रावधान इनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए इन्हें वास्तविक सुविधाएँ और सुअवसर प्रदान करते हैं।

संरक्षणात्मक उपबन्ध (Protective Provisions)

भारतीय संविधान में जनजातियों के लिए अनेक संरक्षणात्मक उपबंधों का प्रावधान किया गया है -

हिंदी विभाग की डॉ मुक्ता अग्रवाल का
भगवान बिरसा मुंडा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
पुस्तक में अध्याय "भारतीय संविधान एवं
जनजातीय समाज" प्रकाशित हुआ।



Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution College Mail id: krgc@rediffmail.com Website: www.krg.ac.in
IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com Phone no. 0751-2625495



भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिक प्रसंगिकता ISBN: 978-81-996308-2-6

~2~
भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य का पारस्परिक संबंध

डॉ. सुशील सोमवंशी
 सहा. प्राध्यापक, हिन्दी
 शास.के.आर.जी.स्व.महाविद्यालय ब्यालियर

डॉ. संगीता सोमवंशी
 सहा. प्राध्यापक, मराठी
 शास.के.आर.जी.स्व.महाविद्यालय ब्यालियर

सारांश
 भारतीय ज्ञान परंपरा हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का मार्ग प्रशस्त करती आ रही है। वेद, उपनिषद्, पुराण, दर्शन और काब्य-इन सभी ने न केवल आध्यात्मिक चेतना को जागृत किया बल्कि समाज और साहित्य के मूल को भी प्रभावित किया। हिन्दी साहित्य विशेषकर भक्ति काल से लेकर आधुनिक काल तक इस ज्ञान परंपरा के मूल्यों और दर्शन से अनुप्राणित रहा है। इसी आधार पर इस शोध पत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल तत्वों तथा हिन्दी साहित्य में उनके प्रतिबिंब को विस्तार प्रदान करने का प्रयास किया गया है।

हिन्दी साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं रहा यह भारतीय दर्शन, मूल्य और संस्कृति का जीवंत दस्तावेज है। इस ज्ञान परंपरा ने साहित्य का मार्ग प्रशस्त किया और साहित्य ने उस ज्ञान को जन जन तक प्रसारित किया, दोनों का संबंध शिथ्य और गुरुकैसा है - साहित्य वह साधना है जिसके माध्यम से ज्ञान परंपरा समाज प्रवाहित होती है।

परिचय
 भारतीय संस्कृति की नींव ज्ञान, दर्शन और साधना पर आधारित है, सत्यं शिवं सुन्दरम् के आदर्श पर आधारित यह परंपरा मनुष्य को आत्मा और ब्रह्म के एकत्व की अनुभूति कराती है। हिन्दी साहित्य जो भारतीय जनमानस की अभिव्यक्ति है, इस ज्ञान परंपरा का जीवंत रूप है। कबीर, तुलसी, सूर, मीरा और आधुनिक युग के लेखकों ने भारतीय ज्ञानधारा के तत्वों को अपने साहित्य में साकार किया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रमुख तत्व

1. अद्वैतवाद-आत्मा और परमात्मा की एकता का विचार।
2. कर्मयोग-निष्काम कर्म का सिद्धांत (गीता का ज्ञान)।
3. अहिंसा और करुणा-जैन, बौद्ध और वैदिक परंपरा से प्राप्त मूल्य।
4. सह-अस्तित्व और समभाव-प्रकृति और समाज के साथ संतुलन का विचार।
5. सत्य और आत्मज्ञान-जीवन का अंतिम लक्ष्य मोक्ष या आत्मसाक्षात्कार।

हिन्दी विभाग के डॉ सुशील सोमवंशी का आलेख "भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य का पारस्परिक संबंध" माह दिसंबर में प्रकाशित हुआ

© November 2025 | IJIRT | Volume 12 Issue 6 | ISSN: 2349-6002

व्यंग्य लेखन की परंपरा और आधुनिक संदर्भ

डॉ. मुक्ता अग्रवाल
 सहायक प्राध्यापक हिन्दी, शा. के.आर.जी.महाविद्यालय ब्यालियर म.प्र.

संश्लेष - व्यंग्य लेखन हिन्दी साहित्य की एक महत्वपूर्ण विधा है, जो समाज की विषमताओं और विरोधाभासों को हास्य एवं कटाक्ष के माध्यम से उजागर करता है। यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और परिवर्तन का उपकरण भी है। समकालीन संदर्भों में इसकी प्रासंगिकता को समझने का प्रयास किया गया है। इस अध्ययन का यह निष्कर्ष है कि व्यंग्य साहित्य का प्राचीन काल से आधुनिक काल तक निरंतर विकास हुआ है। यह साहित्य आज भी उदात्त है। प्रासंगिक है जिसका कि पूर्व में यह है, बल्कि संवेदन सामाजिक-राजनीतिक परिस्थिति में इसकी उपयोगिता और बढ़ गई है।

शोध समस्या - हिन्दी साहित्य में व्यंग्य लेखन की परंपरा प्राचीन काल से पाली आ रही है, किंतु आधुनिक समय में बदलते सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य ने व्यंग्य को नया आयाम दिए हैं। अतः प्रश्न उत्पन्न है कि -

हिन्दी साहित्य में व्यंग्य लेखन की परंपरा कैसे विकसित हुई?

आधुनिक संदर्भों में व्यंग्य की भूमिका और प्रभाव क्या है?

क्या आज व्यंग्य केवल हास्य ही तक सीमित है या सामाजिक परिवर्तन का साधन भी बन हुआ है?

शोध उद्देश्य -

- व्यंग्य लेखन की ऐतिहासिक परंपरा का अध्ययन करना।
- आधुनिक हिन्दी साहित्य में व्यंग्य के स्वरूप और प्रवृत्तियों का विश्लेषण।
- प्रमुख आधुनिक व्यंग्यकारों के चोटखंडों को स्पष्ट करना।
- व्यंग्य की सामाजिक प्रसंगिकता और समकालीन महत्व को समझना।

कार्यविधि - यह शोध अंतर्दृश्य मुद्रात्मक (Qualitative) पद्धति पर आधारित है। इसमें साहित्य समीक्षा (Literature Review) द्वारा व्यंग्यकारों की रचनाओं का विश्लेषण किया गया। साथ ही तुलनात्मक दृष्टिकोण (Comparative Approach) से परंपरा और आधुनिकता के बीच व्यंग्य की प्रवृत्तियों को समझने का प्रयास किया गया।

शोध पर - हिन्दी साहित्य भारतीय समाज और संस्कृति का जीवंत दर्पण है। यह केवल भावनाओं और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक विमर्श, मानवीय दुर्बलाओं और राजनीतिक चिह्नकों पर तीखी दृष्टि ज्ञान की परंपरा भी है। नई साहित्य का उद्देश्य केवल रसमिथुनता या मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है। साहित्यकार अपने समय की परिस्थितियों का न केवल चित्रण करता है, बल्कि अपने सुधार की ध्येय भी उजागर है। यही कारण है कि साहित्य में व्यंग्य विधा का विशेष महत्व है।

IJIRT 186575 INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH IN TECHNOLOGY 1640

हिन्दी विभाग की डॉ मुक्ता अग्रवाल के शोध आलेख "व्यंग्य लेखन की परंपरा और आधुनिक संदर्भ" का प्रकाशन नवंबर 2025 में हुआ

International Journal of Innovative Research in Technology
 An International Open Access Journal Peer-reviewed, Refereed Journal
 www.ijirt.org | editor@ijirt.org An International Scholarly Indexed Journal

Certificate of Publication

The Board of International Journal of Innovative Research in Technology (ISSN 2349-6002) is hereby awarding this certificate to

डॉ. मुक्ता अग्रवाल

In recognition of the publication of the paper entitled
व्यंग्य लेखन की परंपरा और आधुनिक संदर्भ
 Published in IJIRT (www.ijirt.org) ISSN 2349-6002 & Impact Factor 8.017
 Published in Volume 12 Issue 7, December 2025
 Registration ID 186575 Research paper weblink: https://ijirt.org/article?manuscript=186575

EDITOR EDITOR IN CHIEF



Chloroplast to Gerontoplast: Degradation of the Photosynthetic Machinery

12

Jitendra Kumar Pandey and Gunjan Dubey

Abstract

Chloroplasts are semi-autonomous organelles. They are the key player in the life cycle of plants from the young seedling stage to the senescing plant stage. This organelle is also accountable for the independent establishment of young seedlings as it is responsible for the photosynthetic activity. During senescence and in response to most stresses, it is the first organelle to undergo degradation. Carbon, nitrogen and micronutrients stored in the chloroplast are remobilized to the sink and play a key role either in the growth or productivity of the plant. Under stressed conditions, chloroplasts are responsible for the survival of the plant. Chloroplast degradation comprises both intra- and extraplastidial degradation of different components. Intraplastidial degradation includes alternation and breakdown of the thylakoid membrane system, degradation of various constituents of the chloroplast such as pigments, proteins, starch, and nucleic acid, along with an increase in the size and number of plastoglobules. Alternation and disruption of the chloroplast envelope also occurs. Extraplastidial degradation basically occurs by autophagy, which includes macro and microautophagy. Autophagy can be vesicle-mediated and/or ubiquitin-mediated. The role of chaperones is not yet reported in chlorophagy (selective degradation of chloroplast materials). In this chapter, various processes taking place in the chloroplast at the time of senescence are described.

J. K. Pandey (✉)

Department of Botany, Government Post Graduate College, Tikamgarh, India

Maharaja Chhatrasal Bundelkhand University, Chhatarpur, India

G. Dubey

Department of Botany, University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan, India

© The Author(s), under exclusive license to Springer Nature Singapore Pte Ltd. 2025
V. K. Dalal, A. N. Misra (eds.), *Chloroplast Biogenesis and Plastid Interconversions*,
https://doi.org/10.1007/978-981-95-0772-6_12

341



International Journal of Plant Pathology and Microbiology

E-ISSN: 2789-3073
P-ISSN: 2789-3065
Impact Factor (R.JIF): 5.78
www.plantpathologyjournal.com
IJPPM 2025; 5(2): 122-132
Received: 07-07-2025
Accepted: 11-08-2025

Sandeep Kumar Chaurasia
1. Department of Botany,
Government Post Graduate
College, Tikamgarh, Madhya
Pradesh, India
2. Maharaja Chhatrasal
Bundelkhand University,
Chhatarpur, Madhya Pradesh,
India

Chinmayee Acharya
1. Department of Botany,
Government Post Graduate
College, Tikamgarh, Madhya
Pradesh, India
2. Maharaja Chhatrasal
Bundelkhand University,
Chhatarpur, Madhya Pradesh,
India

Jitendra Kumar Pandey
1. Department of Botany,
Government Post Graduate
College, Tikamgarh, Madhya
Pradesh, India
2. Maharaja Chhatrasal
Bundelkhand University,
Chhatarpur, Madhya Pradesh,
India

Correspondence

Sandeep Kumar Chaurasia
1. Department of Botany,
Government Post Graduate
College, Tikamgarh, Madhya
Pradesh, India
2. Maharaja Chhatrasal
Bundelkhand University,
Chhatarpur, Madhya Pradesh,
India

Pre-exogenous treatment of the JA-ABA duo enhances synergistic actions to combat Fusarium wilt-mediated biotic stress in *Piper betel* L.

Sandeep Kumar Chaurasia, Chinmayee Acharya and Jitendra Kumar Pandey

DOI: <https://www.doi.org/10.22271/27893065.2025.v5.i2b.153>

Abstract

Piper betel L. is a traditional, medicinal, and economical asset to mankind. Due to its enormous health benefits and delectable taste, it has been a part of heritage cultivation for thousands of years. Unfortunately, the cultivation frequency of this cash crop has declined in recent years due to the challenging setups and abiotic and biotic stresses. *Fusarium* wilt in betel vine caused by *Fusarium* sp. is one of the major causes of huge economic losses every year. This study was designed to observe the effects of pretreatment of the JA-ABA (T) pair on growth and defense in betel vine under pathogenic stress. The treatments, namely N, P, and T, were under observation for 21 days, followed by physiological, biochemical, and statistical analysis. It was observed that T showed a significant increase in shoot length, root length, biomass, and leaf count as compared to P. Biochemical analyses such as RWC, MDA, pigment content, H₂O₂ content, total ascorbate, and total glutathione content revealed the positive impact of the JA-ABA combination on plants even after infection. DPPH radical scavenging activity was found to be highest in leaf extracts of T after standard ascorbic acid. P showed significantly lower antioxidant activity than T and standard N. PCA, correlation matrix, AHC were performed to study the variability between treatment sets using XLSTAT-Student 2025.1.3.1431 software. It was observed that majority of the variance was due to PC1 (79.63%) which included most of the correlated physiological parameters. MDA, H₂O₂, and EL were found to be negatively correlated with others. The above experimental and statistical observations suggest that this combination can be an effective strategy to boost the immune tolerance in betel vine against fusarium wilt disease.

Keywords: Abscisic Acid, Betel vine, *Fusarium Sp.*, Jasmonic acid, Pathogenic stress.

Introduction

Betel vine (*Piper betel* L.) belongs to the Piperaceae family and is a dioecious evergreen perennial creeper. Millions of people in India and many other Asian countries rely on this natural crop as a direct or indirect source of income, and it has become a cash crop [1]. It has anti-inflammatory, anti-cancer, anti-apoptotic, antibacterial, and antioxidant properties [2]. High levels of eugenol-rich essential oil (EO) (1-3%) are found in leaves and are the primary component of medicines, stimulants, antiseptics, tonics, and other ayurvedic compositions [3]. Betel vine fusarium wilt is a damaging, soil-borne fungal disease that is mostly caused by *Fusarium* sp. It is characterized by the wilting, yellowing, and stunted growth of the affected vines, which frequently begins with the lower leaves [4]. Each year, biotic stress-mediated crop loss is exacerbated by this infamous pathogen [5]. The fungus *Fusarium* infects the roots of plants and thrives in the soil. After that, it spreads into the vascular system, obstructing the passage of nutrients and water, which causes the plant to wilt and eventually die [6]. Conventional methods for reducing biotic stress in plants rely on integrated pest management (IPM), which combines cultural tactics like crop rotation, intercropping, and proper spacing with physical and mechanical procedures like manual bug removal and traps [7]. Despite their advantages, these methods are expensive, time-consuming, and challenging for farmers to implement in the field [8]. Conventional breeding for resistance is a crucial strategy, in addition to early detection and surveillance [9]. However, using breeding to control disease has several drawbacks, including slow development time, loss of genetic



Journal of Plant Growth Regulation (2026) 45:1839–1864
https://doi.org/10.1007/s00344-025-11976-1



Pre-Treatment with Abscisic Acid Enhances Multi Pathogen Stress Tolerance in *Piper Betle* Through Extensive Gene Downregulation

Sandeep Kumar Chaurasia^{1,2} · Chinmayee Acharya^{1,2} · Jitendra Kumar Pandey^{1,2}

Received: 31 July 2025 / Accepted: 19 November 2025 / Published online: 23 December 2025
© The Author(s), under exclusive licence to Springer Science+Business Media, LLC, part of Springer Nature 2025

Abstract

Abscisic acid (ABA) is a crucial phytohormone extensively studied for its role in enhancing abiotic stress resistance, yet its efficacy against biotic stress has been less explored. This study evaluated the effects of ABA pre-treatment on *Piper betle* L. under biotic stress induced by various pathogens including *Colletotrichum*, *Phytophthora*, *Xanthomonas*, *Fusarium*, and *Sclerotium spp.* Three experimental groups were established: non treated control plants (C), infected plants without ABA treatment (INF), and ABA-pretreated plants that were subsequently infected (ABA-INF). Morphological assessments revealed that the INF group exhibited symptoms such as bacterial leaf spot, yellowing, wilting, and rot. In contrast, ABA-INF plants showed early defense signaling leading to enhanced stress tolerance, indicated by improved physiological metrics such as relative water content, higher chlorophyll and carotenoid content, increased plant height, biomass, and leaf count when compared to INF and even approaching C levels. The ABA-INF treatment maintained a balanced redox status, evidenced by lower electrolyte leakage, H₂O₂ levels, and malonaldehyde content compared to INF, aligning with control levels. Key stability indices and antioxidant compounds like glutathione and ascorbic acid were elevated in ABA-INF plants, while proline and total protein contents were decreased relative to INF and C. GC–MS analysis indicated that secondary metabolites (flavonoids, phenolics, alkaloids) were reduced in ABA-INF, yet the activity of defense enzymes, specifically ascorbate peroxidase and glutathione reductase, increased. Whole transcriptome sequencing identified 1849 differentially expressed genes (DEGs), with 341 upregulated and 1508 downregulated in ABA-INF. Principal component analysis indicated that treatment 1 (INF) and treatment 2 (ABA-INF) accounted for 51% of the transcriptome variation. Among upregulated genes, a small portion was linked to defense mechanisms and transcription factors. DEG analysis corroborated the physiological findings, showing significant downregulation of phytohormones and secondary metabolites while indicating that essential metabolic processes remain functional under stress. The results suggest that ABA pre-treatment enhances the betel vine's tolerance to pathogenic stress by primarily downregulating certain genes while upregulating fundamental metabolic pathways.

Keywords Betel vine · Abscisic acid · Pathogenic stress · Gene regulation · Redox homeostasis · Biotic stress tolerance

Introduction

Biotic stress is a condition where the other living organisms injure plants for their own benefits. With each pathogenic encounter, biotic stress intensifies physiological, biochemical, and epigenetic changes that alter the lifestyles of plants (Chaurasia et al. 2025). Necrotrophic fungal pathogens such as *Fusarium*, *Sclerotium*, *Colletotrichum* and *Phytophthora*, establish themselves on leaf then produces phytotoxins and enzymes that break down cell walls and cause host cell death. Once the life cycle is completed, it produces and releases spores for new infections Faris and Friesen (2020). *Xanthomonas* establish itself in plant tissue

Handling Author: Ravinder Kumar.

✉ Sandeep Kumar Chaurasia
chaurasiasan@gmail.com

¹ Department of Botany, Government Post Graduate College, Tikamgarh 472001, India

² Maharaja Chhatrasal Bundelkhand University, Chhatrapur 471001, India



scientific reports



OPEN Modulation of nitrogen metabolising enzymes and the photosynthetic pigments in wheat upon exogenous application of marigold leachates

Rayees Ahmad Mir^{1✉}, Surendra Argal¹, Mohammad Abass Ahanger^{1,2✉}, R. P. Singh³ & R. M. Agarwal¹

Laboratory and pot experiments were conducted to evaluate the influence of leachates of fresh/dry parts of marigold on photosynthetic pigments and nitrogen metabolism of wheat. Considerable decline in chlorophylls and carotenoids and the activities of enzymes of nitrogen metabolism (nitrate reductase, alanine and aspartate aminotransferases, glutamate dehydrogenase and glutamate synthase) was noticed in plants treated with higher concentration of fresh (30% w/v) or dry (10% w/v) leaf and flower leachates of marigold. However, treatment of lower concentrations i.e., 5% (w/v) of leachates of fresh parts and 1% (w/v) leachates of dry parts imparted stimulatory effects. Sodium and potassium contents in different parts of wheat plants showed a significant increase with the increase in the concentration of dry leachates both at pre-flowering and flowering stages. On the other hand, nitrogen and calcium content exhibited a decline with the increase in concentration of leachates. The study indicates that identification of allelochemicals in these leachates may probably help evaluation of marigold as a natural herbicide for sustainable agriculture paving way for further study.

Keywords Photosynthesis, Nitrogen metabolism, Allelopathy, *Triticum aestivum* L., *Tagetes erecta* L.

Interference between plants is referred either to competition for the utilization of necessary resources required for the growth and development or to allelopathy¹. Exudation of soluble chemicals or release of volatile organic compounds from plants can affect the soil microbes in the surrounding environment by altering the chemical and physical properties thereby inhibiting the growth of certain plant species². The allelopathic interactions among different biotic components in agro-ecosystems encompassing crops, weeds, trees and microbes may contribute in improvement of crop production, genetic diversity, nutrient conservation, management of noxious weeds and pests and in the maintenance of ecosystem stability³⁻⁵. Allelochemicals play a variety of functions/roles such as in plant defence, nutrient chelation, symbiosis and soil macro and microbiota affecting decomposition and soil fertility^{3,6}.

As an environmental stress, allelopathy plays a significant role in stress ecotoxicity caused by secondary metabolites. It is one of the powerful biochemical weapons, that can easily cause plant physiological and biochemical imbalances^{7,8} by decreasing leaf stomatal conductance, transpiration⁹, photosynthesis^{10,11}, expression and activity of enzymes necessary for efficient seed germination such as, acid phosphatase, peroxidase, catalase and amylase¹². In addition, allelopathy decreases the activities of nitrogen metabolizing enzymes¹³⁻¹⁵ and also affects accumulation and transport of ions across membranes¹⁶, which ultimately inhibits plant growth and metabolism^{16,17}.

Allelopathic compounds include secondary plant products released through volatilization, root exudation and leaching of dead and decomposed plant parts into the environment/soil¹⁸⁻²⁰ which directly or indirectly influence the surrounding plants, a wide number of such allelochemicals have been identified affecting the germination and growth of different plants²⁰⁻²³. The allelochemicals released by the plant residues left in the fields after the harvest of crops may pose problems which could alternatively be used for weed and pest management.

¹School of Studies in Botany, Jiwaji University, Gwalior 474011, India. ²Xishuangbanna Tropical Botanical Garden, Chinese Academy of Sciences, Xishuangbanna Dai Autonomous Prefecture, China. ³Department of Botany, Govt. P.G. College, Morena, Gwalior, India. ✉email: rayeesmir89@gmail.com; ahangerma@gmail.com



International Journal of Biotechnology and Microbiology
www.biotechnologyjournals.com
Online ISSN: 2664-7680, Print ISSN: 2664-7672
Received: 04-09-2025, Accepted: 03-10-2025, Published: 18-10-2025
Volume 7, Issue 4, 2025, Page No. 1-7

Ethnopharmacology in the Genomics and Metabolomics Era: bridging traditional knowledge with modern drug discovery

Mayank Singh^{1*}, Deepak Kumar Saini¹, Jitendra Kumar Pandey¹, Shivali Rathore¹, R P Singh¹, Amita Arjariya²

¹Department of Botany Government, KRG PG Autonomous College, Gwalior, India

²Maharaja Chhatrasal Bundelkhand University Chhatrapur, India

Abstract

Ethnopharmacology represents the scientific study of traditional knowledge related to medicinal plants and their healing properties. Many of today's pharmaceutical drugs, such as aspirin, quinine, and morphine, have their origins in ethnobotanical traditions. However, traditional studies often face challenges due to the absence of standardized methodologies, limited mechanistic insights, and variability in plant composition. Recent advances in genomics and metabolomics have transformed ethnopharmacological research by providing tools to explore plant diversity at molecular and biochemical levels. Genomic approaches help identify genes and biosynthetic pathways responsible for the production of secondary metabolites, which are often the key bioactive constituents. Metabolomics, on the other hand, generates detailed chemical fingerprints that allow the identification and quantification of metabolites, facilitating the discovery of novel compounds with therapeutic potential. The integration of computational biology, network pharmacology, and artificial intelligence (AI) further strengthens the bridge between traditional medicine and modern pharmacology. These tools can predict biological activities, model multi-target interactions, and accelerate the drug discovery pipeline. Despite these advancements, ethical concerns remain central—particularly regarding intellectual property rights, biopiracy, and equitable benefit-sharing with indigenous communities who have preserved this knowledge for generations. This review highlights how genomics and metabolomics are reshaping ethnopharmacology, offering a framework for validating traditional claims and uncovering new leads for plant-based drug discovery. Future research should focus on interdisciplinary collaboration, data integration, and ethical frameworks to ensure sustainable and respectful use of traditional medicinal knowledge.

Keywords: Ethnopharmacology, genomics, metabolomics, medicinal plants, drug discovery

Introduction

Ethnopharmacology is the study of how people use plants and other natural resources for healing. It links cultural traditions, medicinal knowledge, and scientific approaches. For centuries, traditional medicine systems such as Ayurveda, Traditional Chinese Medicine, and Indigenous healing practices have relied on medicinal plants as their primary resource. Many of today's most widely used drugs originated from ethnomedicinal knowledge. Well-known examples include aspirin from *Salix* species, morphine from *Papaver somniferum*, and artemisinin from *Artemisia annua* (Cragg & Newman, 2013; Heinrich *et al.*, 2012) [4, 7, 23, 37]. These discoveries highlight the lasting value of indigenous knowledge for modern pharmacology.

According to the World Health Organization (WHO, 2013) [14], nearly four out of five people worldwide depend on plant-based remedies for primary health care. This reliance is particularly strong in developing countries, where access to modern healthcare may be limited. However, even in developed nations, herbal medicines and plant-based supplements are gaining popularity due to consumer interest in natural therapies and holistic health approaches (Ekor, 2014) [5]. Despite this global relevance, ethnopharmacological research faces challenges. Much traditional knowledge is undocumented, at risk of being lost, or transmitted orally. In addition, scientific validation of traditional claims is often inconsistent, with problems in

standardization, reproducibility, and mechanistic explanation (Fabricant & Farnsworth, 2001) [6, 22, 39].

Recent scientific advances offer solutions to these limitations. Genomics and metabolomics have emerged as powerful tools for understanding medicinal plants at the molecular and biochemical levels. Genomics allows researchers to map the genetic information responsible for secondary metabolite production. This enables the discovery of biosynthetic pathways, metabolic genes, and enzymes involved in the synthesis of bioactive compounds (Rai & Saito, 2016) [10]. For instance, genomic studies on *Withania somnifera* have identified key genes in the withanolide biosynthesis pathway, which supports the medicinal use of this plant in traditional systems (Sinha *et al.*, 2021) [12].

Metabolomics complements genomics by analyzing the full spectrum of metabolites in a plant. Using high-resolution tools such as GC-MS, LC-MS, and NMR, metabolomics generates chemical fingerprints that reveal both known and novel bioactive molecules (Wolfender *et al.*, 2015) [13, 18, 56].

This approach has been used to validate ethnomedicinal plants such as *Curcuma longa* and *Ocimum sanctum*, confirming their phytochemical richness and linking metabolites to pharmacological activity (Shyur & Yang, 2020) [11]. By providing high-throughput, reproducible data, metabolomics enhances quality control of herbal medicines and supports drug discovery. Integration of genomics and metabolomics has transformed ethnopharmacology into a data-driven field. Together, these technologies support



Deptt. of Botany
Govt. Kamlara Raja Girls (P.G.)
Autonomous College, Gwalior

SOIL DAY CELEBRATION

PROGRAMME SCHEDULE

02:30 PM Inauguration & Opening Remarks By Dr. Sadhna Pandey

02:35 PM "KRUTI" – The Botany Students' Club Introduction, Vision & Mission By Dr. Jitendra Pandey, Coordinator

02:40 PM Soil Day Theme: Introduction & Message By Ms. Jagrati Maitrya

02:45 PM Words of Motivation By Dr. Sadhna Shrivastav, Principal

03:00 PM – Showcasing Talents by Students

04:00 PM Judges. Dr. R. P. Singh, Prof. Shivali Rathod, Dr. Deepak Saini, Dr. Mayank Singh, Ms. Pooja Sahu
Remarks and words of encouragement by Judges and Faculty Mentors:
Dr. R. P. Singh – Rangoli, Models, Charts, Collage
Dr. Shivali Rathod & Ms. Pooja Sahu – Poem / Speech
Dr. Mayank Singh & Dr. Deepak Saini – Quiz

04:00 PM Result Announcement

04:05 PM Vote of Thanks
Ms. Hemlata Dhakad, President, KRUTI Club (M.Sc. I Semester)



KRUTI – The Botany Students' Club offers FREE membership and a vibrant platform to learn, grow, and showcase students' abilities. The club helps students to connect their knowledge of Botany with ground realities and real-world challenges through observation, exploration, and activity-based learning. Members engage with local and global ecosystem issues, identify problems, and apply scientific, practical solutions. They also gain hands-on experience, teamwork and leadership skills, and a deeper understanding of the subject—shaping them into a confident and socially responsible botanist ready to serve the community.



The primary objective of the botanical excursion to the Betwa River and Orchha Sanctuary was to provide students with first hand exposure to natural plant diversity, ecological interactions, and field-based learning. The visit aimed to enhance their skills in plant identification, understanding of aquatic and terrestrial ecosystems, and application of taxonomic, ecological, and herbarium and microbiological techniques in real environments. It also sought to develop scientific observation, research aptitude, environmental awareness, and a deeper connection between theoretical classroom knowledge and practical field experience.



Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution

College Mail id: krgc@rediffmail.com

Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com

Phone no. 0751-2625495



हिंदी विभाग द्वारा मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर दिनांक 3 नवंबर 2025 को वक्तृत्व कला प्रतियोगिता एवं 1 नवंबर को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्ण भाग लिया।





Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution College Mail id: krgc@rediffmail.com

Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com

Phone no. 0751-2625495



दिनांक 10.11.2025
को जनजातीय गौरव
दिवस के अवसर पर
हिंदी विभाग द्वारा
निबंध एवं भाषण
प्रतियोगिता का
आयोजन किया गया



Gwalior, Madhya Pradesh, India

Opp J. A Hospital Lashkar, 55r3+qgx, Cirar Colony, Jawahar Colony
Kampoo, Gwalior, Madhya Pradesh 474001, India

Lat 26.190823° Long 78.154351°
10/11/2025 11:33 AM GMT +05:30





Gwalior, Madhya Pradesh, भारत

Opp J. A Hospital Lashkar, 55r3+qxx, Cirar Colony, Jawahar Colony, Kampoo, Gwalior, Madhya Pradesh 474001, भारत

Lat 26.191136° Long 78.15354°

सोमवार, 01/12/2025 03:24 PM GMT +05:30

शासकीय कमला राजा कन्या महाविद्यालय, ग्वालियर में रेड रिबन क्लब द्वारा आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों और प्राचार्य ने छात्राओं को एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक करते हुए 2047 तक भारत को एड्स मुक्त बनाने का संकल्प दिलाया।



ग्वालियर, मध्य प्रदेश, भारत
55q8+99m, कैसर हॉस्पिटल मार्ग, Near Maangher Mata Temple, विजयनगर, ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474009, भारत
Lat 26.188565° Long 78.16572°
शुक्रवार, 12/12/2025 10:37 AM GMT +05:30

व्यवधान पर काबू पाना एड्स प्रतिक्रिया में बदलाव लाना

विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम आयोजित एचआईवी एड्स जागरूकता कार्यक्रम

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस/हर्षित दुवे

शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ग्वालियर में रेड रिबन क्लब द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एचआईवी एड्स जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 1000 विस्तार अस्पताल मेडिकल कॉलेज से आईसीटीसी काउंसलर रजिया खान एवं हेल्थ वर्कर गीता सूर्यवंशी जी उपस्थित रही इन्होंने अपने व्याख्यान में

एचआईवी एड्स के कारण, लक्षण बचाव के बारे में कहा कि यह को इसके प्रति जागरूक होना आवश्यक है महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कुमकुम माथुर ने कहा है कि भारत को 2047 तक एचआईवी एड्स से मुक्त बनाने के लिए आवश्यक है कि युवा इसके प्रति जागरूक हो और आसपास के क्षेत्र में भी एचआईवी एड्स जागरूकता को फैलाएं कार्यक्रम में छात्र संघ प्रभारी डॉ कृष्णा सिंह, प्रो सुधा सिंह, ब्रीडा अधिकारी मनोहर कटारिया जी उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में छात्राओं द्वारा मानव श्रृंखला, पोस्टर द्वारा एवं एचआईवी एड्स जागरूकता के नारे लगाकर सभी को जागरूक किया गया कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अर्चना सेन द्वारा किया गया



एवं उपचार को विस्तार पूर्वक छात्राओं को बताया एवं उनकी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया, गीता सूर्यवंशी ने एचआईवी एड्स से लाइलाज बीमारी है परंतु संक्रमणशील नहीं है और यदि हम सुरक्षित रहें और इसकी जानकारी हो तो इससे बचा जा सकता है युवाओं

शसकीय कमला राजा कन्या महाविद्यालय की NSO इकाइयों ने 'युवा सप्ताह' के तहत 'अडॉप्ट ए सीनियर सिटीजन' पहल की शुरुआत की। इसके अंतर्गत स्वयंसेविकाओं ने 'स्वर्ग सदन' वृद्धाश्रम जाकर बुजुर्गों के साथ मकर संक्रांति मनाई और उन्हें गर्म कपड़े व मिठाइयाँ भेंट कीं। प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव के निर्देशन में शुरू हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में बुजुर्गों के प्रति सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना जगाना है।





The English Department, Govt KRG PG Autonomous College Gwalior MP organised an extension lecture on Approaching English Literature: Trends and Theories by Dr Anurag Chauhan, Guru Ghasidas University, Bilaspur on 24th of January 2026 in Lecture Gallery. The interactive session explored classical, modern and popular literature, key theorists, translation studies, and demonstrated how multiple theoretical lenses enable diverse interpretations of a single text.





The English Department, in collaboration with the Students' Club

***Hansa: The Literary Lounge, joyfully celebrated the arrival of spring through the plantation of flowering plants on 29.1.2026**



HALCHAL SATURDAY

The English Department Student Club organizes Halchal Saturday as a weekly initiative to encourage creativity and confidence among students. In December, on-the-spot story writing was conducted, where Tanya Upadhyay secured first position and Premlata Chauhan second. In January, Seven Stones and Extempore Speech were held, and Angel Mohile emerged as the winner. The sessions were conducted under the guidance of the respected Head of Department, Dr. Alka Singh, along with faculty members Beena ma'am, Charu ma'am, Lata





Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution College Mail id: krgc@rediffmail.com

Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com

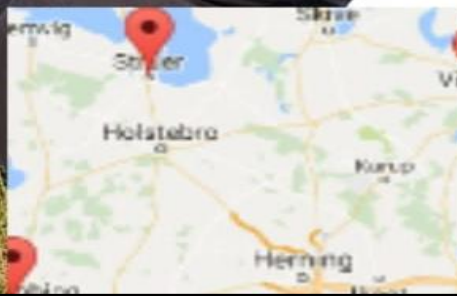
Phone no. 0751-2625495



10/11/2025-Group Discussion by Legal Aid Clinic Lega by Final Year student under छात्राओं को विधिक जानकारी व हेल्पलाईन नंबर के बारे में जागरूक किया)



GPS Map Camera



Gwalior Division, Madhya Pradesh, India

address line 2

Lat 30.170586° Long 72.689345°

10/11/2025 11:06 AM GMT+05:00



22.11.2025 Slogan Competition



Gwalior, Madhya Pradesh, India
Opp J. A Hospital Lashkar, 55r3+qxx, Cirar Colony, Jawahar Colony, Kampoo, Gwalior, Madhya Pradesh 474001, India
Lat 26.189963° Long 78.154517°
Monday, 24/11/2025 01:07 PM GMT +05:30



Gwalior, Madhya Pradesh, India
Opp J. A Hospital Lashkar, 55r3+qxx, Cirar Colony, Jawahar Colony, Kampoo, Gwalior, Madhya Pradesh 474001, India
Lat 26.189943° Long 78.154556°
Monday, 24/11/2025 01:08 PM GMT +05:30

24.11.2025 Speech Competition



संविधान दिवस व पुरस्कार वितरण समारोह
26/11/2025 स्थान - मूट कोर्ट रूम मुख्य
अतिथि भी दीपेन्द्र कुशवाह (AG, Advocate
General MP High Court, Gwalior)

दैनिक
अजय भारत P8

27 नवंबर 2025

संविधान सप्ताह: पुरस्कार वितरण हुए

ग्वालियर। राजकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वाश्रयी महाविद्यालय, ग्वालियर में विधि संस्थान द्वारा सविधान दिवस सप्ताह - 2025 के अंतर्गत संविधान दिवस एवं संविधान सप्ताह का आयोजन किया गया। संविधान सप्ताह - 2025 के अंतिम दिन 26 नवंबर 2025 को संविधान दिवस व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षाओं द्वारा भारतीय संविधान पर अपने विचार प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपेन्द्र कुशवाह, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती मीना सचान, मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अनुपम गुप्ता एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. डी. पी. सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. कुमकुम माथुर ने की। कार्यक्रम में विधि संस्थान की सह-समन्वयक डॉ. अंजु यादव, विधि संस्थान की फैकल्टी एवं करीब 250 से ज्यादा छात्राएं उपस्थित रहीं। ■ अक्षयभारत

दैनिक सांध्य
स्वास्तिक टुडे

RNI No. MPBIL/2012/43644
ग्वालियर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

Hindi/English SWASTIK TODAYSWASTIK Email: swastiktoday@gmail.com

ग्वालियर, बुधवार 27 नवंबर, 2025



संविधान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन

ग्वालियर। शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर में विधि संस्थान द्वारा संविधान दिवस सप्ताह - 2025 के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संविधान सप्ताह - 2025 के अंतिम दिन 26 नवंबर को संविधान दिवस व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा भारतीय संविधान पर अपने विचार प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपेन्द्र कुशवाह, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती मीना सचान, मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अनुपम गुप्ता एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. डी. पी. सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. कुमकुम माथुर ने की। कार्यक्रम में विधि संस्थान की सह-समन्वयक डॉ. अंजु यादव, विधि संस्थान की फैकल्टी एवं करीब 250 से ज्यादा छात्राएं उपस्थित रहीं।

नवभारत

ग्वालियर गुरुवार 27 नवम्बर, 2025

03



केआरजी में भाषण व स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित

ग्वालियर 26 नवम्बर. शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर में विधि संस्थान द्वारा संविधान दिवस सप्ताह - 2025 के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संविधान सप्ताह - 2025 के अंतिम दिन 26 नवंबर को संविधान दिवस व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा भारतीय संविधान पर अपने विचार प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपेन्द्र कुशवाह, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती मीना सचान, मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अनुपम गुप्ता एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. डी. पी. सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. कुमकुम माथुर ने की। कार्यक्रम में विधि संस्थान की सह-समन्वयक डॉ. अंजु यादव, विधि संस्थान की फैकल्टी एवं करीब 250 से ज्यादा छात्राएं उपस्थित रहीं।

आचरण

ग्वालियर, भोपाल एवं सागर से प्रकाशित

केआरजी में भाषण प्रतियोगिता

ग्वालियर। शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर में विधि संस्थान द्वारा संविधान दिवस सप्ताह - 2025 के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपेन्द्र कुशवाह, विशिष्ट अतिथि मीना सचान, मुख्य वक्ता डॉ. अनुपम गुप्ता एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. डी. पी. सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. कुमकुम माथुर ने की। कार्यक्रम में विधि संस्थान की सह-समन्वयक डॉ. अंजु यादव, विधि संस्थान की फैकल्टी एवं करीब 250 से ज्यादा छात्राएं उपस्थित रहीं।



Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution College Mail id: krgc@rediffmail.com

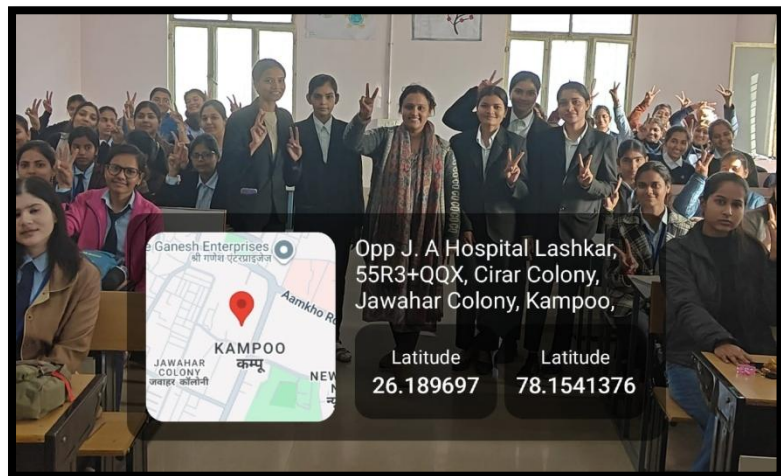
Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com

Phone no. 0751-2625495



दिनांक 13.01.2026 लीगल एड क्लिनिक के तहत BBA department of छात्राओं को विधिक जानकारी दी गयी जिसका उद्देश्य लीगल एड क्लिनिक की कार्यप्रणाली बताना था।



दिनांक 24.01.2026 लीगल एड क्लिनिक प्रभारी डॉ. मौली तिवारी व NSS प्रभारी डॉ. अर्चना सेन के सहयोग से NSS की छात्राओं को विधिक जानकारी दी गयी जिसका उद्देश्य लीगल एड क्लिनिक की कार्यप्रणाली बताना था।





Alumni Meet - 24/1/2026
सत्र 2024-25 की छात्राओं के
लिए विधि संख्यान में
एलुमनाई मीट का आयोजन
किया गया। जिसका उद्देश्य
छात्राओं से रूबरू होना व
भविष्य के लिए शुभकामनाएँ
प्रेषित करना था।





Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution

College Mail id: krgc@rediffmail.com

Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com

Phone no. 0751-2625495



दिनांक 31.01.2026 को शॉर्ट फिल्म दिखायी गयी विधि की छाताओं को "मुस्कान" महिला एवं बाल विकास मंत्रालय नई दिल्ली



Legal Aid Clinic of "Institute of Law" provides free Legal Services, Advice and Awareness to the students of the College as well to the needy Women of the Society





संगीत विभाग

दिनांक 30 जनवरी 2016 को गोधी जी की पुण्यातोथ के अवसर पर विभाग की छात्राओं के साथ गोधी जी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति दी गई। यह कार्यक्रम सुबह 10.30 से करत क्र. ०२ में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं मीलीय विदान उपस्थित रहें।



संगीत विभाग

दिनांक 24.01.2026 को संगीत विभाग में बसंत पंचमी मनाई गई, साथ ही सुभाषचंद्र बोस जी की जयंती भी उसी दिन होने से भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत लोकगीत स्वलोकनृत्य का कार्यक्रम भी संपादित किया गया। इस भवसर पर प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव मैडम विशेष रूप से उपस्थित रही।

छात्राओं ने छत्तीसगढ़ व बृज लोकगीतों की दी मधुर प्रस्तुतियां लोकनृत्य रंग दे ने मोहा मन



पत्रिका प्लस@ग्वालियर. प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के संगीत विभाग में वसंत पंचमी के अवसर पर लोकगीत व लोकनृत्य पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शनिवार को हुईं। कार्यक्रम में छात्राओं ने छत्तीसगढ़ी व बृजगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। वहीं लोकनृत्य की श्रेणी में मारवाड़ी लोकनृत्य रंग दे व लांगुरिया लोकनृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ साधना श्रीवास्तव ने इस पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला और भारतीय संस्कृति में संगीत व कला की भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर आईक्यूएसी प्रमुख डॉ प्रतिभा जैन, प्रशासनिक अधिकारी दीपक पाठक, डॉ संजय स्वर्णकार, अनूप मोघे, डॉ स्वप्ना मराठे, डॉ ज्योत्सना राणा, संदीप धुर्वे, डॉ कल्याणी राय, योगेश जैन, डॉ मानव महंत उपस्थित रहे।



भूगोल विभाग की एलुमनाई मीटिंग का आयोजन दिनांक-27.01.2026 को किया गया। जिसमें विभाग की पूर्व में उत्तीर्ण तथा वर्तमान छात्राओं ने भागीदारी की तथा अपने अनुभवों को साझा किया एवं नवीन पंजीयन किये गये।

भूगोल विभाग द्वारा 'शोध प्रविधि का परिचय' विशय पर भॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स (30 घंटे अवधि) का शुभारम्भ दिनांक-08.01.2026 को किया गया। इस कोर्स के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. डी.पी. सिंह, अध्यक्ष के रूप में प्रभारी प्राचार्य डॉ. इला शुक्ला, विशिष्ट अतिथि के रूप में अकादमिक सचिव डॉ. साधना पाण्डेय, IQAC प्रभारी डॉ. प्रतिमा जैन तथा STCC प्रभारी डॉ. वीणा शुक्ला की गरिमामयी उपस्थित रही।





भूगोल विभाग में राष्ट्रीय भूगोल दिवस का आयोजन दिनांक-27.01.2022 को भूगोल विभाग में राष्ट्रीय भूगोल दिवस का आयोजन किया गया। जिस विभागीय प्राध्यापकों द्वारा छात्राओं को भूगोल विषय की महत्ता तथा भारत भूगोल के विकास से परिचित कराया गया।



Govt. Kamla Raja Girls PG Autonomous College, Gwl.

NAAC 'A' Grade Institution

College Mail id: krgc@rediffmail.com

Website: www.krg.ac.in

IQAC Mail id: iqac.krgc@gmail.com

Phone no. 0751-2625495



E-Newsletter

(Nov.-Jan. 2025-26)

Published by:

IQAC of the College

Email College: krgc@rediffmail.com

Email IQAC: iqac.krgc@gmail.com